an>

Title: Need to conduct an inquiry into the alleged hoarding and creating of artificial shortage of pulses leading to steep hike in the prices of pulses.

श्री विजय कुमार हांसदाक (राजमहल) ः मैं सरकार का ध्यान देश में दालों के दामों में हुई भारी बढ़ोतरी की तरफ आकर्षित कराना चाहता हूँ। गत वर्ष देश में भारी वर्षा एवं ओलावृष्टि के कारण दाल की फसलों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा था।

फसल खराब होने के बाद सरकार ने विदेश से दाल मंगाने का ऑर्डर दिया, जिसे देश के पांच बड़े ब्रोकर्स ने आयात से आई दाल के पूरे जहाज खरीद लिए। फिर इन्हीं ब्रोकर्स की बनाई डमी कंपनियों को दाल बेच दी गई। इन डमी कंपनियों का एड्रेस देश के अलग-अलग राज्यों में बताया गया और इन डमी कंपनियों ने लगभग 93,500 टन दाल को गोदामों में जमा कर लिया। यह भी पता चला है कि कई बार ब्रोकर्स और कमोडिटी संचालकों का अंतर्राष्ट्रीय रैकेट जहाजों को समुद्र में ही घुमाता रहता है ताकि वे देश में देर से पहुंचे। जब बाज़ार में दाल की किल्लत होने पर कीमत 85 रूपए से 200 रूपए तक पहुंच गई तब दाम बढ़ते ही इन ब्रोकरें ने बाज़ार में भेजना शुरू कर दिया और खूब मुनाफा कमाया।

अतः मैं सरकार से आग्रह करता हूँ कि इस घटना की उचित जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने का कष्ट करें ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृति न हो।